

विघ्न विनाशक हारी । By Shivangi Bhatia

देवा तैयारी हो गई सारी
बस आने की है तेरी बारी
करके आओ मूसे की सवारी
विघ्न विनाशक हारी हे देवा
विघ्न विनाशक हारी.....

लड्डवन भोग है तुमको अर्पण
करते देवा तेरा सुमिरन
आओ जल्दी मेरे आँगन
आके कर दो कारज पूरण
ज्योत जगी है झांकी सजी है
आँखें दरस को तेरे लगी है
एक छवि पाने को तुम्हारी
विघ्न विनाशक हारी हे देवा
विघ्न विनाशक हारी.....

गौरी नंदन शिव के दुलारे
काटो बंधन दुःख के सारे
जो पड़ जाए चरण तुम्हारे
खुल जाए देवा भाग्य हमारे
करता कुंदन तेरा वंदन
तेरा गजानन है अभिनन्दन
विघ्न विनाशक हारी हे देवा
विघ्न विनाशक हारी.....
एक दन्त चार भुजाधारी
एक दन्त चार भुजाधारी

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%98%e0%a5%8d%e0%a4%a8-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%b6%e0%a4%95-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-shivangi-bhatia/>